

象棋
精妙杀着
系列

象棋

妙杀速胜
精编

XIANGQI
MIAOSHA SUSHENG JINGBIAN

吴雁滨 编著



时代出版传媒股份有限公司
安徽科学技术出版社

象棋精妙杀着系列

象棋妙杀速胜精编

吴雁滨 编著



时代出版传媒股份有限公司
安徽科学技术出版社

图书在版编目(CIP)数据

象棋妙杀速胜精编/吴雁滨编著. —合肥:安徽科学技术出版社,2016.3

(象棋精妙杀着系列)

ISBN 978-7-5337-6908-6

I. ①象… II. ①吴… III. ①中国象棋-对局(棋类运动) IV. ①G891.2

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2016)第 011034 号

象棋妙杀速胜精编

吴雁滨 编著

出版人:黄和平 选题策划:倪颖生 责任编辑:倪颖生
责任校对:盛东 责任印制:廖小青 封面设计:冯劲
出版发行:时代出版传媒股份有限公司 <http://www.press-mart.com>
安徽科学技术出版社 <http://www.ahstp.net>
(合肥市政务文化新区翡翠路1118号出版传媒广场,邮编:230071)
电话:(0551)63533323

印 制:合肥华云印务有限责任公司 电话:(0551)63418899
(如发现印装质量问题,影响阅读,请与印刷厂商联系调换)

开本:850×1168 1/32 印张:12.5 字数:342千
版次:2016年3月第1版 2016年3月第1次印刷

ISBN 978-7-5337-6908-6

定价:26.00元

版权所有,侵权必究

前 言

在足球比赛中,最精彩的是“射门”;在象棋对局中,最精彩的就是“杀着”。特别是“连将杀着”,一气呵成,令弈者畅快淋漓,观者拍案叫绝。局后细细回味,犹如“余音绕梁,三日不绝”。

本书大部分局例取自实战对局,改编时尽量保留原招着法,取其精华,去其糟粕,使读者享受到对弈搏杀的快乐。本书共有 500 多局,其中以“连将杀着”为主,辅以少量的“宽紧杀着”,局局妙招迭出,招招击中要害,在实战对局中是比较难得的,希望广大象棋爱好者喜欢。

编 者

目 录

第1局	剑光霍霍	1	第27局	凉风习习	20
第2局	剑胆琴心	1	第28局	明媚照人	20
第3局	金针渡劫	2	第29局	有恃无恐	22
第4局	束手无策	2	第30局	晨光曦微	22
第5局	短小精悍	4	第31局	恃强欺弱	23
第6局	马踏连营	4	第32局	疾驰而归	23
第7局	同归于尽	5	第33局	求之不得	25
第8局	视死如归	5	第34局	扑面而来	25
第9局	银河倒悬	7	第35局	自投罗网	26
第10局	供其驱策	7	第36局	腾云驾雾	27
第11局	皓月西沉	8	第37局	车辙马迹	28
第12局	借花献佛	8	第38局	一马当先	29
第13局	步步生莲	10	第39局	马咽车阗	29
第14局	孔融让梨	10	第40局	弃车走林	30
第15局	辣手无情	11	第41局	风车雨马	30
第16局	惊魂未定	11	第42局	悬车束马	32
第17局	肆无忌惮	13	第43局	驷马高车	32
第18局	不知底细	13	第44局	揽辔登车	33
第19局	怒涛汹涌	14	第45局	安车蒲轮	33
第20局	千载难逢	14	第46局	车殆马烦	35
第21局	神驰目眩	16	第47局	缓步当车	35
第22局	吸风饮露	16	第48局	晴天霹雳	36
第23局	百死无悔	17	第49局	杀马毁车	36
第24局	苦楚难熬	17	第50局	攀车卧辙	38
第25局	形势紧迫	19	第51局	以众凌寡	38
第26局	颐指气使	19	第52局	辅车相依	39

第 53 局	风车云马	40	第 83 局	前仆后继	62
第 54 局	气塞胸臆	41	第 84 局	力挽狂澜	64
第 55 局	花容失色	41	第 85 局	塞翁失马	64
第 56 局	扯旗放炮	42	第 86 局	充栋盈车	65
第 57 局	炮火连天	42	第 87 局	单枪匹马	65
第 58 局	车马如龙	44	第 88 局	兵荒马乱	67
第 59 局	船坚炮利	44	第 89 局	汗马功劳	68
第 60 局	迷途知返	45	第 90 局	重重叠叠	68
第 61 局	心猿意马	45	第 91 局	马龙车水	69
第 62 局	金戈铁马	47	第 92 局	因地制宜	69
第 63 局	兵不血刃	47	第 93 局	披荆斩棘	71
第 64 局	同仇敌忾	48	第 94 局	斩钉截铁	71
第 65 局	兵车之会	48	第 95 局	众星拱月	72
第 66 局	车马辐辏	50	第 96 局	筋疲力尽	73
第 67 局	穷兵黩武	50	第 97 局	跃马扬鞭	73
第 68 局	车马盈门	51	第 98 局	肥马轻裘	75
第 69 局	妙笔生花	52	第 99 局	飞鹰走马	75
第 70 局	引人入胜	53	第 100 局	盘马弯弓	76
第 71 局	忐忑不安	53	第 101 局	大义凛然	76
第 72 局	舍生取义	54	第 102 局	奋发图强	78
第 73 局	独具匠心	54	第 103 局	四马攒蹄	78
第 74 局	巧夺天工	56	第 104 局	策马飞舆	79
第 75 局	车马骈阗	56	第 105 局	任重道远	79
第 76 局	居高临下	57	第 106 局	中流砥柱	81
第 77 局	锲而不舍	57	第 107 局	运筹帷幄	81
第 78 局	轻车熟道	59	第 108 局	坚持不懈	82
第 79 局	草木皆兵	59	第 109 局	兵销革偃	82
第 80 局	鲜车怒马	60	第 110 局	兵行诡道	84
第 81 局	遁入空门	61	第 111 局	玉堂金马	84
第 82 局	粉身碎骨	62	第 112 局	精卫填海	85

- | | | | | | |
|---------|------|-----|---------|------|-----|
| 第 113 局 | 临危不惧 | 85 | 第 143 局 | 杀人灭口 | 109 |
| 第 114 局 | 持之以恒 | 87 | 第 144 局 | 言简意赅 | 109 |
| 第 115 局 | 行云流水 | 87 | 第 145 局 | 屏息凝气 | 110 |
| 第 116 局 | 地动山摇 | 88 | 第 146 局 | 雷厉风行 | 110 |
| 第 117 局 | 牛马襟裾 | 88 | 第 147 局 | 暴风骤雨 | 112 |
| 第 118 局 | 车烦马毙 | 90 | 第 148 局 | 戮力以赴 | 112 |
| 第 119 局 | 走马观花 | 90 | 第 149 局 | 铁牛耕地 | 113 |
| 第 120 局 | 兵不厌诈 | 91 | 第 150 局 | 勇往直前 | 113 |
| 第 121 局 | 上兵伐谋 | 91 | 第 151 局 | 骇人听闻 | 115 |
| 第 122 局 | 走马上任 | 93 | 第 152 局 | 幸不辱命 | 115 |
| 第 123 局 | 鞍前马后 | 93 | 第 153 局 | 壮士扼腕 | 116 |
| 第 124 局 | 乌龙取水 | 94 | 第 154 局 | 流星赶月 | 116 |
| 第 125 局 | 伸缩自如 | 94 | 第 155 局 | 一箭双雕 | 118 |
| 第 126 局 | 风云变色 | 96 | 第 156 局 | 杖击白猿 | 118 |
| 第 127 局 | 情急生智 | 96 | 第 157 局 | 纵马疾冲 | 119 |
| 第 128 局 | 摇摇欲坠 | 97 | 第 158 局 | 雕车竞驻 | 119 |
| 第 129 局 | 滴水穿石 | 98 | 第 159 局 | 萍水相逢 | 121 |
| 第 130 局 | 生离死别 | 98 | 第 160 局 | 强弱已判 | 122 |
| 第 131 局 | 刻不容缓 | 100 | 第 161 局 | 青蛇寻穴 | 122 |
| 第 132 局 | 急怒攻心 | 100 | 第 162 局 | 奋不顾身 | 123 |
| 第 133 局 | 懒驴打滚 | 101 | 第 163 局 | 马不停蹄 | 124 |
| 第 134 局 | 厚德载物 | 101 | 第 164 局 | 呼风唤雨 | 124 |
| 第 135 局 | 风驰电掣 | 103 | 第 165 局 | 鱼贯而出 | 126 |
| 第 136 局 | 日暮途穷 | 103 | 第 166 局 | 十拿九稳 | 126 |
| 第 137 局 | 反败为胜 | 104 | 第 167 局 | 惊天动地 | 127 |
| 第 138 局 | 面目狰狞 | 104 | 第 168 局 | 雷霆万钧 | 127 |
| 第 139 局 | 处心积虑 | 106 | 第 169 局 | 连珠箭发 | 129 |
| 第 140 局 | 驷马难追 | 106 | 第 170 局 | 挡者立毙 | 129 |
| 第 141 局 | 排山倒海 | 107 | 第 171 局 | 情势紧急 | 130 |
| 第 142 局 | 心照不宣 | 107 | 第 172 局 | 改过迁善 | 130 |

- | | | | | | |
|---------|------|-----|---------|-------------|-----|
| 第 173 局 | 始料不及 | 132 | 第 203 局 | 鸳鸯戏水 | 156 |
| 第 174 局 | 快马加鞭 | 133 | 第 204 局 | 天马行空 | 156 |
| 第 175 局 | 害群之马 | 133 | 第 205 局 | 车载船装 | 157 |
| 第 176 局 | 兵贵神速 | 134 | 第 206 局 | 勤修苦练 | 158 |
| 第 177 局 | 人仰马翻 | 135 | 第 207 局 | 用之不竭 | 158 |
| 第 178 局 | 苍鹰搏兔 | 135 | 第 208 局 | 车炮仕相全巧胜车士象全 | 160 |
| 第 179 局 | 反守为攻 | 137 | 第 209 局 | 神不外游 | 160 |
| 第 180 局 | 残害无辜 | 137 | 第 210 局 | 宁死不屈 | 161 |
| 第 181 局 | 各显神通 | 138 | 第 211 局 | 高山夹峙 | 161 |
| 第 182 局 | 卧虎藏龙 | 138 | 第 212 局 | 能屈能伸 | 163 |
| 第 183 局 | 铁蹄翻飞 | 140 | 第 213 局 | 驻马不前 | 163 |
| 第 184 局 | 厉兵秣马 | 141 | 第 214 局 | 兵革满道 | 164 |
| 第 185 局 | 心思缜密 | 141 | 第 215 局 | 单兵孤城 | 164 |
| 第 186 局 | 兵强马壮 | 142 | 第 216 局 | 养兵千日 | 166 |
| 第 187 局 | 绝尘而去 | 143 | 第 217 局 | 立足不稳 | 166 |
| 第 188 局 | 钟鼓齐鸣 | 143 | 第 218 局 | 长途疾驰 | 167 |
| 第 189 局 | 快如闪电 | 145 | 第 219 局 | 双蛟出洞 | 167 |
| 第 190 局 | 偷天换日 | 145 | 第 220 局 | 风雨不透 | 169 |
| 第 191 局 | 知难而退 | 146 | 第 221 局 | 怒发冲冠 | 169 |
| 第 192 局 | 骏马争驰 | 146 | 第 222 局 | 心不在焉 | 170 |
| 第 193 局 | 剥皮拆骨 | 148 | 第 223 局 | 痛彻心扉 | 171 |
| 第 194 局 | 神龙摆尾 | 148 | 第 224 局 | 单刀破枪 | 171 |
| 第 195 局 | 智穷力竭 | 149 | 第 225 局 | 不怒自威 | 172 |
| 第 196 局 | 海燕掠波 | 149 | 第 226 局 | 化单为双 | 172 |
| 第 197 局 | 尊卑有别 | 151 | 第 227 局 | 无功受禄 | 174 |
| 第 198 局 | 愈战愈勇 | 152 | 第 228 局 | 飞身而起 | 174 |
| 第 199 局 | 云天高义 | 152 | 第 229 局 | 称贺不绝 | 176 |
| 第 200 局 | 熟极而流 | 153 | 第 230 局 | 天涯海角 | 176 |
| 第 201 局 | 风云不测 | 153 | 第 231 局 | 鸡鸣犬吠 | 177 |
| 第 202 局 | 大闹禁宫 | 155 | | | |

- | | | | | | |
|---------|------|-----|---------|------|-----|
| 第 232 局 | 马到成功 | 177 | 第 262 局 | 龙马精神 | 201 |
| 第 233 局 | 先礼后兵 | 179 | 第 263 局 | 人困马乏 | 203 |
| 第 234 局 | 笑语解颐 | 179 | 第 264 局 | 牛头马面 | 203 |
| 第 235 局 | 兵连祸深 | 180 | 第 265 局 | 坚韧不拔 | 204 |
| 第 236 局 | 潢池弄兵 | 180 | 第 266 局 | 霜浓风寒 | 204 |
| 第 237 局 | 雅俗共赏 | 182 | 第 267 局 | 寻花觅柳 | 206 |
| 第 238 局 | 泰然自若 | 182 | 第 268 局 | 厉兵秣马 | 206 |
| 第 239 局 | 精雕细刻 | 183 | 第 269 局 | 励精图治 | 207 |
| 第 240 局 | 弯弓射雕 | 184 | 第 270 局 | 一苇渡江 | 207 |
| 第 241 局 | 屡败屡战 | 184 | 第 271 局 | 权衡利弊 | 209 |
| 第 242 局 | 悲欢离合 | 186 | 第 272 局 | 见风是雨 | 209 |
| 第 243 局 | 嫉恶如仇 | 186 | 第 273 局 | 耀武扬威 | 210 |
| 第 244 局 | 大漠风沙 | 187 | 第 274 局 | 痛改前非 | 210 |
| 第 245 局 | 夕阳西照 | 187 | 第 275 局 | 万马奔腾 | 212 |
| 第 246 局 | 鸳鸯二炮 | 189 | 第 276 局 | 千军万马 | 212 |
| 第 247 局 | 湍流险滩 | 189 | 第 277 局 | 思潮起伏 | 213 |
| 第 248 局 | 锦囊妙计 | 190 | 第 278 局 | 侠义心肠 | 213 |
| 第 249 局 | 哀兵必胜 | 191 | 第 279 局 | 千钧巨岩 | 215 |
| 第 250 局 | 一马平川 | 192 | 第 280 局 | 袖手旁观 | 215 |
| 第 251 局 | 威震四方 | 192 | 第 281 局 | 万弩齐发 | 216 |
| 第 252 局 | 老马识途 | 194 | 第 282 局 | 作恶多端 | 216 |
| 第 253 局 | 乌焉成马 | 194 | 第 283 局 | 怪石嵯峨 | 218 |
| 第 254 局 | 风雪惊变 | 195 | 第 284 局 | 愕然相顾 | 218 |
| 第 255 局 | 密密层层 | 196 | 第 285 局 | 心绪不宁 | 219 |
| 第 256 局 | 悬崖勒马 | 196 | 第 286 局 | 初逢敌手 | 219 |
| 第 257 局 | 间关万里 | 198 | 第 287 局 | 暴跳如雷 | 221 |
| 第 258 局 | 天下无敌 | 199 | 第 288 局 | 一见如故 | 221 |
| 第 259 局 | 蛛丝马迹 | 199 | 第 289 局 | 飘然而去 | 222 |
| 第 260 局 | 指鹿为马 | 200 | 第 290 局 | 万马齐喑 | 222 |
| 第 261 局 | 撒豆成兵 | 201 | 第 291 局 | 惊慌失措 | 224 |

- | | | | | | | | |
|---------|------|-------|-----|---------|------|-------|-----|
| 第 292 局 | 将信将疑 | | 224 | 第 322 局 | 是非善恶 | | 247 |
| 第 293 局 | 得得连声 | | 225 | 第 323 局 | 千金一诺 | | 249 |
| 第 294 局 | 旦夕祸福 | | 225 | 第 324 局 | 言而无信 | | 249 |
| 第 295 局 | 十指连心 | | 227 | 第 325 局 | 耿耿于怀 | | 250 |
| 第 296 局 | 恶有恶报 | | 227 | 第 326 局 | 长生不老 | | 250 |
| 第 297 局 | 逃之夭夭 | | 228 | 第 327 局 | 无可奈何 | | 252 |
| 第 298 局 | 欺压百姓 | | 228 | 第 328 局 | 非死即伤 | | 252 |
| 第 299 局 | 遍地金银 | | 230 | 第 329 局 | 魂不附体 | | 253 |
| 第 300 局 | 吹牛拍马 | | 230 | 第 330 局 | 手忙脚乱 | | 253 |
| 第 301 局 | 功败垂成 | | 231 | 第 331 局 | 变长为短 | | 255 |
| 第 302 局 | 纵横驰骋 | | 232 | 第 332 局 | 雷轰电掣 | | 255 |
| 第 303 局 | 三花聚顶 | | 233 | 第 333 局 | 玉兔捣药 | | 256 |
| 第 304 局 | 迫不及待 | | 233 | 第 334 局 | 镗里藏身 | | 256 |
| 第 305 局 | 沿门托钵 | | 235 | 第 335 局 | 罪不可赦 | | 258 |
| 第 306 局 | 纵横天下 | | 235 | 第 336 局 | 殊途同归 | | 258 |
| 第 307 局 | 怪蟒翻身 | | 236 | 第 337 局 | 机缘巧合 | | 259 |
| 第 308 局 | 大敌当前 | | 236 | 第 338 局 | 无穷无尽 | | 259 |
| 第 309 局 | 心力交瘁 | | 238 | 第 339 局 | 金刚护法 | | 261 |
| 第 310 局 | 吴刚伐桂 | | 238 | 第 340 局 | 瞬息千里 | | 261 |
| 第 311 局 | 回风拂柳 | | 239 | 第 341 局 | 星河在天 | | 262 |
| 第 312 局 | 兵戎相见 | | 239 | 第 342 局 | 毛骨悚然 | | 262 |
| 第 313 局 | 不同凡响 | | 241 | 第 343 局 | 孤雁出群 | | 264 |
| 第 314 局 | 别具一格 | | 242 | 第 344 局 | 繁星闪烁 | | 264 |
| 第 315 局 | 略胜一筹 | | 242 | 第 345 局 | 受尽苦楚 | | 265 |
| 第 316 局 | 亢龙有悔 | | 243 | 第 346 局 | 怒不可遏 | | 265 |
| 第 317 局 | 血流成河 | | 244 | 第 347 局 | 善者不来 | | 267 |
| 第 318 局 | 惊心动魄 | | 244 | 第 348 局 | 劲雄势急 | | 267 |
| 第 319 局 | 高明之极 | | 246 | 第 349 局 | 虚虚实实 | | 268 |
| 第 320 局 | 左右互搏 | | 246 | 第 350 局 | 左推右拉 | | 268 |
| 第 321 局 | 不屈不挠 | | 247 | 第 351 局 | 足智多谋 | | 270 |

- | | | | | | | | |
|---------|------|-------|-----|---------|------|-------|-----|
| 第 352 局 | 顺手牵羊 | ····· | 270 | 第 382 局 | 赴汤蹈火 | ····· | 293 |
| 第 353 局 | 立地成佛 | ····· | 271 | 第 383 局 | 不差毫厘 | ····· | 294 |
| 第 354 局 | 天翻地覆 | ····· | 271 | 第 384 局 | 指东打西 | ····· | 294 |
| 第 355 局 | 用兵如神 | ····· | 273 | 第 385 局 | 柔肠百转 | ····· | 296 |
| 第 356 局 | 招兵买马 | ····· | 273 | 第 386 局 | 四海遨游 | ····· | 296 |
| 第 357 局 | 短兵相接 | ····· | 274 | 第 387 局 | 为国尽忠 | ····· | 297 |
| 第 358 局 | 全民皆兵 | ····· | 274 | 第 388 局 | 圆浑蕴藉 | ····· | 297 |
| 第 359 局 | 银絮飞天 | ····· | 276 | 第 389 局 | 另有图谋 | ····· | 299 |
| 第 360 局 | 一清二楚 | ····· | 276 | 第 390 局 | 极穷巧思 | ····· | 300 |
| 第 361 局 | 一轮残月 | ····· | 277 | 第 391 局 | 挑拨是非 | ····· | 300 |
| 第 362 局 | 尸积如山 | ····· | 278 | 第 392 局 | 既往不咎 | ····· | 301 |
| 第 363 局 | 权势熏天 | ····· | 278 | 第 393 局 | 疏疏落落 | ····· | 301 |
| 第 364 局 | 天寒地冻 | ····· | 280 | 第 394 局 | 坚甲利兵 | ····· | 303 |
| 第 365 局 | 自斟自酌 | ····· | 280 | 第 395 局 | 荒村野店 | ····· | 303 |
| 第 366 局 | 当者披靡 | ····· | 281 | 第 396 局 | 按兵不动 | ····· | 304 |
| 第 367 局 | 兵多将广 | ····· | 281 | 第 397 局 | 运用自如 | ····· | 304 |
| 第 368 局 | 天兵天将 | ····· | 283 | 第 398 局 | 调兵遣将 | ····· | 306 |
| 第 369 局 | 罪魁祸首 | ····· | 283 | 第 399 局 | 精兵强将 | ····· | 306 |
| 第 370 局 | 为虎作伥 | ····· | 284 | 第 400 局 | 招摇撞骗 | ····· | 307 |
| 第 371 局 | 斗胆相邀 | ····· | 284 | 第 401 局 | 冲出重围 | ····· | 307 |
| 第 372 局 | 兵贵先行 | ····· | 286 | 第 402 局 | 茫然若失 | ····· | 309 |
| 第 373 局 | 威震中原 | ····· | 286 | 第 403 局 | 死不足惜 | ····· | 309 |
| 第 374 局 | 冲锋陷阵 | ····· | 287 | 第 404 局 | 无怨无悔 | ····· | 310 |
| 第 375 局 | 无一不精 | ····· | 287 | 第 405 局 | 刚猛无俦 | ····· | 310 |
| 第 376 局 | 变幻无常 | ····· | 289 | 第 406 局 | 智擒兀术 | ····· | 312 |
| 第 377 局 | 所向无敌 | ····· | 290 | 第 407 局 | 乘人之危 | ····· | 312 |
| 第 378 局 | 毫不留情 | ····· | 290 | 第 408 局 | 兵强将勇 | ····· | 313 |
| 第 379 局 | 剑光闪烁 | ····· | 291 | 第 409 局 | 孤苦无依 | ····· | 313 |
| 第 380 局 | 得享天年 | ····· | 291 | 第 410 局 | 大势所趋 | ····· | 315 |
| 第 381 局 | 箭如连珠 | ····· | 293 | 第 411 局 | 在劫难逃 | ····· | 315 |

- | | | | | | | | |
|---------|------|-------|-----|---------|------|-------|-----|
| 第 412 局 | 损兵折将 | ····· | 316 | 第 442 局 | 行若无事 | ····· | 339 |
| 第 413 局 | 精微奥妙 | ····· | 317 | 第 443 局 | 倏遭大变 | ····· | 339 |
| 第 414 局 | 面面相觑 | ····· | 317 | 第 444 局 | 深不可测 | ····· | 341 |
| 第 415 局 | 悲喜交加 | ····· | 319 | 第 445 局 | 智勇双全 | ····· | 341 |
| 第 416 局 | 永无止息 | ····· | 319 | 第 446 局 | 明镜高悬 | ····· | 342 |
| 第 417 局 | 箭无虚发 | ····· | 320 | 第 447 局 | 轻松自在 | ····· | 342 |
| 第 418 局 | 暴殄天物 | ····· | 320 | 第 448 局 | 风狂雨急 | ····· | 344 |
| 第 419 局 | 剑拔弩张 | ····· | 322 | 第 449 局 | 魂飞魄散 | ····· | 344 |
| 第 420 局 | 伤天害理 | ····· | 322 | 第 450 局 | 鬼斧神工 | ····· | 345 |
| 第 421 局 | 身陷重围 | ····· | 323 | 第 451 局 | 阴阳开阖 | ····· | 345 |
| 第 422 局 | 魂飞天外 | ····· | 323 | 第 452 局 | 精卫填海 | ····· | 347 |
| 第 423 局 | 挫骨扬灰 | ····· | 325 | 第 453 局 | 田忌赛马 | ····· | 347 |
| 第 424 局 | 震耳欲聋 | ····· | 325 | 第 454 局 | 掩耳盗铃 | ····· | 348 |
| 第 425 局 | 甘拜下风 | ····· | 326 | 第 455 局 | 孟母裂织 | ····· | 348 |
| 第 426 局 | 摇头晃脑 | ····· | 326 | 第 456 局 | 讳疾忌医 | ····· | 350 |
| 第 427 局 | 柳条穿鱼 | ····· | 328 | 第 457 局 | 东窗事发 | ····· | 350 |
| 第 428 局 | 各司其职 | ····· | 329 | 第 458 局 | 晏子使楚 | ····· | 351 |
| 第 429 局 | 求仙学道 | ····· | 329 | 第 459 局 | 破瓮救友 | ····· | 351 |
| 第 430 局 | 爽爽快快 | ····· | 330 | 第 460 局 | 守株待兔 | ····· | 353 |
| 第 431 局 | 登峰造极 | ····· | 330 | 第 461 局 | 和氏献璧 | ····· | 353 |
| 第 432 局 | 满腔悲愤 | ····· | 332 | 第 462 局 | 盲人摸象 | ····· | 354 |
| 第 433 局 | 知恩图报 | ····· | 332 | 第 463 局 | 孟母三迁 | ····· | 354 |
| 第 434 局 | 白虹经天 | ····· | 333 | 第 464 局 | 焚书坑儒 | ····· | 356 |
| 第 435 局 | 不翼而飞 | ····· | 333 | 第 465 局 | 破釜沉舟 | ····· | 356 |
| 第 436 局 | 出神入化 | ····· | 335 | 第 466 局 | 投笔从戎 | ····· | 357 |
| 第 437 局 | 心事重重 | ····· | 335 | 第 467 局 | 手不释卷 | ····· | 357 |
| 第 438 局 | 心神不定 | ····· | 336 | 第 468 局 | 凿壁偷光 | ····· | 359 |
| 第 439 局 | 豁然贯通 | ····· | 336 | 第 469 局 | 点石成金 | ····· | 359 |
| 第 440 局 | 大智若愚 | ····· | 338 | 第 470 局 | 雪夜访戴 | ····· | 360 |
| 第 441 局 | 冷眼旁观 | ····· | 338 | 第 471 局 | 劳燕分飞 | ····· | 360 |

- | | | | | | | | |
|---------|------|-------|-----|---------|------|-------|-----|
| 第 472 局 | 买椟还珠 | | 362 | 第 487 局 | 前倨后恭 | | 372 |
| 第 473 局 | 闻鸡起舞 | | 362 | 第 488 局 | 宋濂嗜学 | | 374 |
| 第 474 局 | 脱胎换骨 | | 363 | 第 489 局 | 宁静致远 | | 374 |
| 第 475 局 | 渔翁得利 | | 363 | 第 490 局 | 煮豆燃萁 | | 375 |
| 第 476 局 | 朝花夕拾 | | 365 | 第 491 局 | 夸父追日 | | 375 |
| 第 477 局 | 初出茅庐 | | 365 | 第 492 局 | 天衣无缝 | | 377 |
| 第 478 局 | 南辕北辙 | | 366 | 第 493 局 | 画蛇添足 | | 377 |
| 第 479 局 | 炙手可热 | | 366 | 第 494 局 | 淡泊明志 | | 378 |
| 第 480 局 | 鲧禹治水 | | 368 | 第 495 局 | 空空如也 | | 378 |
| 第 481 局 | 纪昌学射 | | 368 | 第 496 局 | 一字之师 | | 380 |
| 第 482 局 | 琢玉成器 | | 369 | 第 497 局 | 朱詹好学 | | 380 |
| 第 483 局 | 滥竽充数 | | 369 | 第 498 局 | 东施效颦 | | 381 |
| 第 484 局 | 按图索骥 | | 371 | 第 499 局 | 曹冲称象 | | 381 |
| 第 485 局 | 封金挂印 | | 371 | 第 500 局 | 女娲补天 | | 383 |
| 第 486 局 | 乐不思蜀 | | 372 | | | | |



第1局 剑光霍霍

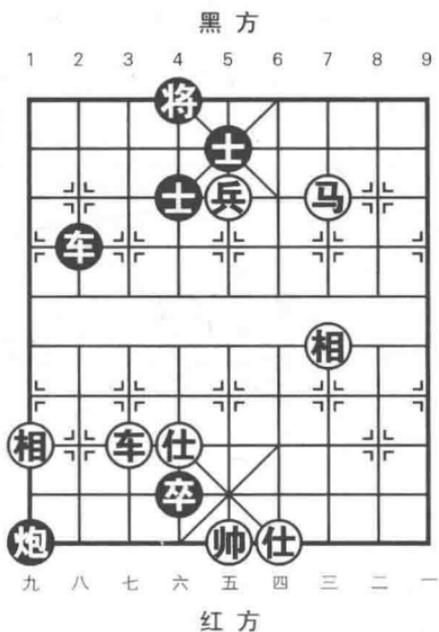


图1

着法(红先胜):

1. 车七进七 将4进1 2. 马三进四! 士5退6
 3. 兵五平六! 将4进1 4. 车七平六
- 连将杀,红胜。



第2局 剑胆琴心

着法(红先胜):

1. 车八平五! 将5进1 2. 车六进七 将5退1
 3. 车六进一 将5进1 4. 车六退一
- 连将杀,红胜。

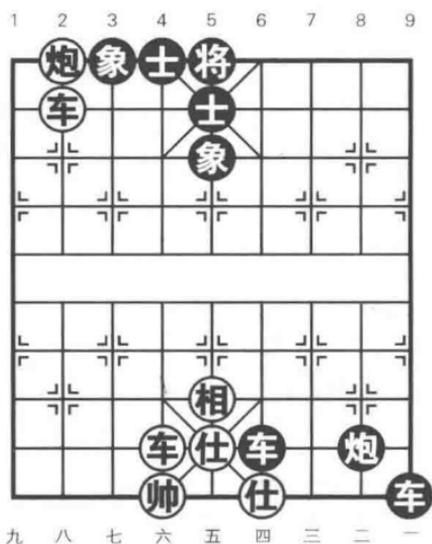


图 2



第 3 局 金针渡劫

着法(红先胜,图 3):

1. 车五进二 将 4 进 1 2. 车五平六 将 4 平 5
 3. 兵四平五! 将 5 退 1 4. 车六退一
- 连将杀,红胜。



第 4 局 束手无策

着法(红先胜):

1. 马四进三 将 6 平 5 2. 车三退一 将 5 退 1
 3. 马三进五 士 4 进 5 4. 车三进一
- 连将杀,红胜。

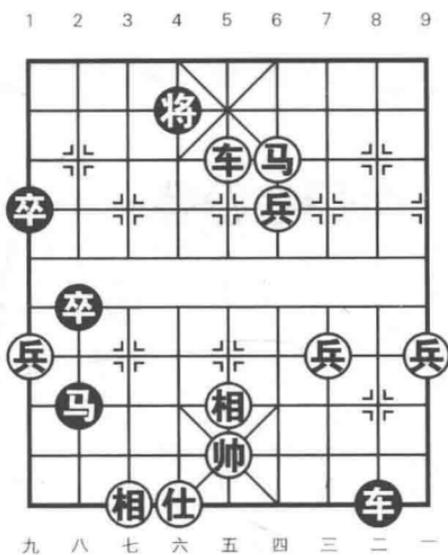


图 3

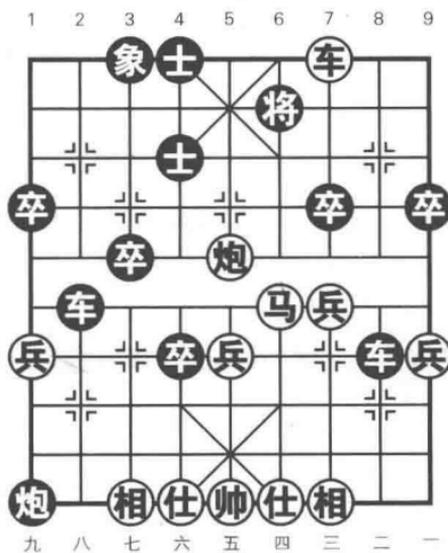


图 4



第5局 短小精悍

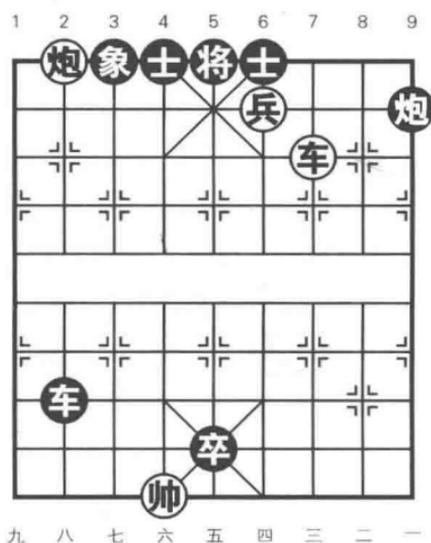


图5

着法(红先胜):

1. 车三平五 士6进5 2. 兵四平五 将5平6
 3. 车五平四 炮9平6 4. 车四进一
- 连将杀,红胜。



第6局 马路连营

着法(红先胜):

1. 马三进四 将5平6 2. 马四退二 将6平5
 3. 马二退三 将5平6 4. 车六平四
- 连将杀,红胜。